प्रथम अखिल असम अंतर जिला मिनि सब-जूनियर अंडर-14 कबड्डी चैंपियनशिप में माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का संबोधन

दिनांक 27 अक्टूबर 2023, शुक्रवार	**समय : 3.30 PM**	**स्थान : डीटीआरपी इंडोर स्टेडियम**

- राज्य स्तरीय सलाहकार समिति के सचिव श्री गितार्थ गोस्वामी जी,
- असम सरकार के युवा एवं खेल विभाग के सचिव श्री कौशर हिलाली जी,
- महासचिव श्री अलोक त्रिपाठी जी,
- उपस्थित अन्य अतिथिगण,
- एसोसिएशन के सम्मानित सदस्यगण,
- मेरे प्यारे खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों,
- मीडिया के हमारे मित्रों,
- उपस्थित देवियों और सज्जनों,

नमस्कार,

सर्वप्रथम मैं आप सभी का पहले असम अंतर जिला मिनी सब जूनियर अंडर-14 कबड्डी चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह में अभिनंदन करता हूं। इस अवसर पर आप सबके बीच उपस्थित होकर बहुत प्रसन्नता हो रही है। अखिल असम कबड्डी एसोसिएशन को पहली बार इस चैंपियनशिप का आयोजन करने के लिए बधाई देता हूँ। साथ ही मुझे इस कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद देता हूं।

मुझे यह जानकर बेहद खुशी हुई कि राज्य स्तरीय सलाहकार समिति और गुवाहाटी कबड्डी एसोसिएशन के सहयोग से यह चैंपियनशिप आयोजित की जा रही है। मैं राज्य स्तरीय सलाहकार समिति और गुवाहाटी कबड्डी एसोसिएशन को भी इसमें योगदान देने के लिए धन्यवाद देता हूं तथा चैंपियनशिप के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

मित्रों,

प्रागैतिहासिक काल से ही खेल मनुष्य के मनोरंजन का प्रमुख माध्यम रहे हैं। चीनी, यूनानी, सिंधु, मिस्र और मेसोपोटामिया जैसी प्राचीन सभ्यताओं के लोग भी खेलों को महत्व देते थे। आधुनिक युग में खेलों का महत्व चरम पर पहुंच गया है।

पश्चिमी सभ्यता के आगमन के बाद क्रिकेट, हॉकी, टेनिस, वॉलीबॉल, रिंग बॉल, फुटबॉल आदि विकसित हुए हैं। आजकल युवा पीढ़ी में क्रिकेट दीवानगी के स्तर पर लोकप्रिय है। इन दिनों एकदिवसीय क्रिकेट के विश्व कप भारत में ही खेला जा रहा है। हमारे देश में खेल हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। वैदिक ग्रंथों में घुड़सवारी, शिकार और कुश्ती का उल्लेख मिलता है।

कबड्डी मुख्य रूप से एक दक्षिण एशियाई खेल है, लेकिन इसकी उत्पत्ति के बारे में प्रामाणिक रूप से अधिक जानकारी नहीं है। हालांकि इस बात के प्रमाण मिलते हैं कि यह खेल 4000 साल पुराना है। एक लोकप्रिय धारणा है कि कबड्डी की उत्पत्ति दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु में हुई थी।

कबड्डी एक प्राचीन जन-आधारित सामूहिक खेल है, जो भारत में विशेषकर ग्रामीण भारत में बहुत लोकप्रिय है। कबड्डी बांग्लादेश में भी बहुत लोकप्रिय खेल है, खासकर गांवों में इसे 'ग्रामीण बंगाल का खेल' भी कहा जाता है। इसे वर्ष 1972 में बांग्लादेश के राष्ट्रीय खेल का दर्जा दिया गया था। यह श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल, जापान, इंडोनेशिया में भी खेला जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कबड्डी का इतिहास यदि देखें तो, बर्लिन में 1936 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में कबड्डी को एक प्रदर्शनी खेल के रूप में खेला गया था। इस खेल को पहली बार 1990 में बीजिंग में आयोजित एशियाई खेलों में शामिल किया गया। इसमें छह देशों - भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान, चीन, जापान, और नेपाल ने भाग लिया था। एशियाई खेलों के कबड्डी खेल में भारत का दोनों महिला और पुरुष वर्गों में शुरु से ही दबदबा रहा है।

वर्ष 2018 के एशियाई खेलों को छोड़कर अन्य ऐशियाई खेलों में भारत ने दोनों पुरुष और महिला वर्गों में स्वर्ण पदक जीता है। हमें गर्व है कि चीन में हाल ही में संपन्न 19वीं एशियाई खेलों भी भारतीय पुरुष और महिला कबड्डी टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर देश का एक बार मान बढ़ाया। मैं महिला और पुरुष कबड्डी टीमों के खिलाड़ियों को बधाई देता हूं।

मित्रों,

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कबड्डी खेल में विकास से असम में इस खेल का परिदृश्य दिन-ब-दिन मजबूत हुआ है। असम के युवा खिलाड़ी भी अपने खेल में सुधार के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। मुझे खुशी है कि असम कबड्डी एसोसिएशन खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के साथ-साथ उन्हें खेलने के लिए अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने का प्रयास कर रहा है।

यह जानकर बहुत खुशी हुई कि एसोसिएशन अब अन्य राज्यों के खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं है। एसोसिएशन राज्य के खिलाड़ियों को तैयार करने पर ध्यान दे रहा है।

यह प्रशंसनीय है कि राज्य के युवा खिलाड़यों को प्रोत्साहित करने और उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए असम कबड्डी एसोसिएशन पंच वर्षीय योजना पर काम कर रहा है।

इसके अलावा एसोसिएशन खिलाड़ियों के लिए अधिक से अधिक प्रतियोगिताओं का आयोजन करने पर भी जोर दे रहा है। इस क्रम में 14 वर्ष से छोटे बच्चों की यह अंतर जिला कबड्डी चैंपियनशिप एक सराहनीय पहल है।

मुझे बताया गया है कि इस प्रतियोगिता के बाद होनहार खिलाड़ियों का चयन एक चयन समिति द्वारा किया जाएगा और कबड्डी एसोसिएशन इन चयनित खिलाड़ियों को प्रशिक्षण हेतु हरियाणा या राजस्थान के नामी प्रशिक्षण केंद्र पर भेजा जाएगा, जहां उन्हें एक महीने तक निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह एक सराहनीय पहल है, जिसके दूरगामी परिणाम आएंगे।

अब यह हमारा दायित्व है कि हम राज्य के उभरते युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारें और राष्ट्रीय स्तर पर इस खेल में असम की अलग पहचान बनाएं।

मुझे यह बताते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि तमिलनाडू में आयोजित छठे ऑल इंडिया कबड्डी फेडरेशन कप में चिरांग जिले का युवा खिलाड़ी पबित्रा नार्जरी ने अपनी टीम की तरफ से शानदार प्रदर्शन किया था। पबित्रा ने यह साबित किया है कि राज्य के कबड्डी खिलाड़ियों में क्षमता और प्रतिभा है।

मेरा मानना है कि वर्तमान में कबड्डी का परिदृश्य बदला है। अब कबड्डी में बहुत संभावनाएं हैं। अधिक से अधिक युवाओं को इस स्वदेशी खेल से जुड़ना चाहिए। युवा खिलाड़ी आजीविका के लिए गंभीरता से इस खेल से जुड़ सकते हैं।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पहले अंतर जिला कबड्डी चैंपियनशिप से राज्य के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

मैं एक बार फिर अखिल असम कबड्डी एसोसिएशन, गुवाहाटी कबड्डी एसोसिएशन और राज्य स्तरीय सलाहकार समिति को यह चैंपियनशिप आयोजित करने के लिए धन्यवाद देता हूं तथा इसके सफल आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। चैंपियनशिप में भाग ले रहे सभी खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन और भविष्य की प्रतियोगिताओं में सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

धन्यवाद !

जय हिन्द !